गैरसैंण, शनिवार
7 फरवरी 2026
वर्षः 17
अंकः 255 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सिन्द्रवाणी गांव में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

रुद्रप्रयाग। सिन्द्रवाणी में बीते तीन फरवरी को गुलदार ने पांच वर्षीय दक्ष को मार डाला था। अब बृहस्पतिवार देर रात एक गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। गुलदार मादा है और तीन से चार वर्ष की है। वन विभाग की टीम ने शुक्रवार सुबह गुलदार को मुख्यालय स्थित विभाग कार्यालय पहुंचाया। डॉक्टरों की टीम ने उसकी जांच की और फॉरेंसिक जांच के लिए सैंपल देहरादून व पशुलोक ऋषिकेश भेजे दिए। जांच के बाद ही पता चलेगा कि यह गुलदार वही था या नहीं। इधर वन विभाग टीमें सिन्द्रवाणी गांव में गश्त कर रही हैं।उपप्रभागीय वनाधिकारी, अगस्त्यमुनि रेंज, देवेंद्र सिंह पुण्डीर ने बताया कि मादा गुलदार के पिंजरे में कैद होने के बाद भी एहतियातन सिन्द्रवाणी क्षेत्र में अन्य स्थानों पर पिंजरे लगे हुएहैं। साथ ही गुलदारों की निगरानी की जा रही है। वन विभाग के कार्मिकों की ओर से निरंतर गश्त एवं सर्च अभियान जारी है। ताकि क्षेत्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बिजराकोट और छिनका में दिखा गुलदारः सिन्द्रवाणी में गुलदार के कैद होने के बाद अब सिन्द्रवाणी से सटे बिजराकोट और छिनका ग्रामसभा में फिर गुलदार दिखा। छिनका में गुलदार ने नत्था सिंह और भूमेंद्र जग्गी की बकरियों को मार डाला। ग्राम प्रधान छिनका मनोज कंडारी ने बताया कि इलाके में अब भी कई गुलदार सक्रिय हैं। सबसे ज्यादा खतरा स्कूली बच्चों को है जो गांव से एक से दो किलोमीटर दूर स्कूल जाते हैं। उन्होंने वन विभाग से इलाके में गश्त करने और सुरक्षात्मक उपाय करने की मांग की।

हाईवे किनारे मिला शव, सड़क हादसे की आशंका

रुद्रपुर। खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम बघौरा के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। हादसे से मौत की आशंका है। शुक्रवार सुबह कोतवाली पुलिस को ग्राम बघौरा गेट के सामने एक व्यक्ति के लहूलुहान हालत में पड़े होने की सूचना मिली। सरकड़ा चौकी प्रभारी पंकज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान 40 वर्षीय मो. आसिम उर्फ गुड्डू पुत्र शरीफ अहमद निवासी वार्ड 08 रम्पुरा सितारगंज के रूप में हुई। मृतक के भाई मुजिम्मल सलमानी व अन्य परिजनों ने अस्पताल पहुंचकर शिनाख्त की। मृतक की पत्नी चमन ने बताया कि आसिम मजदूरी करता था और गुरुवार दोपहर काम पर निकला था, लेकिन रात में घर नहीं लौटा। उसके एक बेटा और तीन बेटियां हैं। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्ट्या मौत का कारण सड़क हादसा प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल पर वाहन का काले रंग का वाइजर भी पड़ा हुआ था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। सीओ बीएस धौनी ने बताया कि जांच जारी है, तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

खटीमा में जहरीली शराब पीने से तीसरी मौत, अधिवक्ता गंभीर

रुद्रपुर। जहरीले पदार्थ के पीने से अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। गंभीर हालत में गुरुवार देर रात को दो युवकों को रेफर किया था, जिसमें से एक और युवक मलकीत राणा की मौत हो गई है।

जबकि, एक अधिवक्ता प्रवेश मौर्य की हालत गंभीर बनी हुई है। तीन लोगों की मौत से जहां परिवार में कोहराम मचा हुआ है वही शहर के संभ्रांत परिवार और जनजाति परिवार के साथ ही संघ से जुड़े व्यक्ति थे। जिस शराब भट्टी से शराब खरीदी गई थी पुलिस ने उसे सीज कर जांच शुरू कर दी है। जिस कमरे में बैठ कर शराब पी थी वहां एक ओर बोतल भी मिली है जिसमें से भयंकर दुर्गंध आ रही थी।संभवतः उसमें कोई केमिकल हो सकता है। शुक्रवार को ढिल्लू राणा के शव के पोस्टमार्टम की कार्यवाही शुरू होगी जिसके बाद मौत के कारण का खुलासा हो सकेगा। इधर उप चिकित्सालय में लोगो की सुबह से ही खासी भीड़ इकट्ठा है।

भौतिक विकास के साथ-साथ संस्कारयुक्त शिक्षा से होगा राष्ट्र निर्माण : योगी आदित्यनाथ

नवनिर्मित इंटर कॉलेज भवन से शिक्षा को मिलेगा नया आयाम, शिक्षा में नवाचार से पलायन पर लगेगा अंकुश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : इंटर कॉलेज यमकेश्वर के नवनिर्मित दो मंजिला भवन के उद्घाटन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यमकेश्वर पहुंचे। कार्यक्रम से पूर्व दोनों मुख्यमंत्रियों ने यमकेश्वर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्रियों के यमकेश्वर आगमन पर कार्यक्रम स्थल पर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया द्वारा स्वागत किया गया। इसके पश्चात दोनों मुख्यमंत्रियों द्वारा इंटर कॉलेज यमकेश्वर के नवनिर्मित भवन का अवलोकन किया गया। इंटर कॉलेज यमकेश्वर के परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भौतिक विकास जीवन का अंतिम उद्देश्य नहीं है, बल्कि यह केवल तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम है। कहा कि विद्यालय केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक संजोने का भी कार्य करें। उन्होंने पौराणिक गुरुकुल परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुकुल पद्धति व्यक्ति को सशक्त, संस्कारवान एवं पारंगत बनाने का प्रभावी माध्यम थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें अध्ययन के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान पर भी विशेष बल दिया गया है। कहा कि उत्तराखंड सरकार इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। कहा कि जिस प्रकार भवन की गुणवत्ता सुनिश्चित की गई है, उसी प्रकार शिक्षण की गुणवत्ता भी उच्च होनी चाहिए। शिक्षा को संस्कारों से जोड़ते हुए उन्होंने सकारात्मक सोच के साथ देश व प्रदेश के हित में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास है कि इस प्रकार के आधुनिक एवं सुदृढ़ शैक्षिक इंफ्रास्टचर विकसित किए जाएं और यह सभी का दायित्व है कि इनका सदुपयोग सुनिश्चित करें। शिक्षा में नवाचार से गांवों का कायाकल्प होगा तथा पलायन पर प्रभावी अंकुश लगेगा। आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि दूसरों पर निर्भर रहने की प्रवृत्ति को त्यागना होगा, तभी सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम में सांसद हरिद्वार त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, स्थानीय विधायक रेनू बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) रणजीत सिंह, प्रधानाचार्य मनमोहन सिंह रौतेला सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सेवा , सुशासन और विकास सरकार का लक्ष्य : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सुरक्षा, सुशासन और विकास के देश में प्रेरणास्रोत हैं। यह क्षेत्रवासियों के लिए गर्व का विषय है कि उन्होंने इसी क्षेत्र में अपना बचपन बिताया, प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की और आज देश के सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाई। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ का जीवन सेवा, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण की प्रेरक मिसाल है। उनके कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास के साथ-साथ कानून-व्यवस्था को मजबूती मिली है और प्रदेश की छवि को नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि विद्या मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण है। शिक्षा केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि संस्कार, चेतना और नैतिक मूल्यों के विकास का सशक्त माध्यम है। सनातन संस्कृति में शिक्षा को जीवन निर्माण का आधार माना गया है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड सरकार द्वारा पिछले चार वर्षों में 28 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि संस्कारवान, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण होना चाहिए।

विद्यालय में सकारात्मक एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तैयार करें

सांसद हरिद्वार त्रिवेंद्र सिंह रावत ने नवनिर्मित भवन को जनता को समर्पित किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि अभिभावक एवं शिक्षक मिलकर विद्यालय में सकारात्मक एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तैयार करें। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि विद्यालय में वर्तमान में 161 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं तथा अध्यापकों की संख्या पूर्ण है। उन्होंने विद्यालय के प्रांतीयकरण हेतु विद्यालय प्रबंधन समिति से प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा, जिस पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। स्थानीय विधायक रेनू बिष्ट ने कहा कि विद्यालय भवन का उद्घाटन क्षेत्र के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने इंटर कॉलेज यमकेश्वर के प्रांतीयकरण एवं विद्यालय में विज्ञान विषय की कक्षाएं प्रारंभ कराने की मांग भी रखी।

मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में कक्षा 6 के नमन रावत, कक्षा 7 के हर्ष चौहान, कक्षा 8 की आरती चौहान, कक्षा 9 के सचिन बडोला, कक्षा 10 की दीपाली, कक्षा 11 के अभिषेक बडोला तथा कक्षा 12 की पल्लवी शामिल रहे।

नेपाल के बैतड़ी में बारात की बस खाई में गिरी, 13 की मौत

पिथौरागढ़। भारत से लगे नेपाल के बैतड़ी में गुरुवार देर शाम बारात की बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में बस में सवार 13 लोगों की मौत हो गई। जबकि 32 लोग घायल हो गए। मृतकों में सभी नेपाल के रहने वाले हैं। दूल्हे के चचेरे भाई समेत अन्य रिश्तेदारों की मौत से विवाह की खुशियों में मातम पसर गया है। झूलाघाट अंतरराष्ट्रीय झूलापुल से करीब 22 किमी दूर नेपाल बैतड़ी के पुरचौड़ी से गुरुवार को रोज एक बारात बझांग गई। विवाह के बाद शाम को दुल्हन लेकर बारात वापस गांव लौटने लगी। साढ़े सात बजे के करीब बड़ुगांव मोड़ के पास बारात में शामिल बस संख्या 02-001 केएचए 1119 दुर्घटनाग्रस्त होकर करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। सूचना मिलते ही नेपाल पुलिस, प्रशासन घटनास्थल पहुंचा। बैतड़ी के डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिस में इन्फॉर्मेशन ऑफिसर भानदेव बडू ने बताया कि बस में 18 महिलाओं और 27 पुरुषों समेत कुल 45 लोग सवार थे। बताया कि छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो ने कोटिला हेल्थ पोस्ट पर दम तोड़ा और पांच की डडेलधुरा हॉस्पिटल ले जाते समय मौत हुई। बताया कि घायलों को इलाज के लिए कोटिला हेल्थ पोस्ट भेजा गया है। गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को डडेलधुरा रेफर किया गया है। हादसे में दूल्हे के चचेरे भाइयों की भी मौत झूलाघाट। बस हादसे में जान गंवाने वाले नरेंद्रराज जोशी और विष्णुदत्त जोशी दूल्हे के चचेरे भाई हैं। जबकि दूल्हे के एक चाचा का पैर टूटा है। ताऊ भी घायल हो गए। दुल्हन के 14 साल के भाई सुशील जोशी को भी हादसे में अपनी जान गंवानी पड़ी है। हादसे में पिता-पुत्र मोहनदेव भट्टा और केशवराज भट्टा की भी मौत हुई।

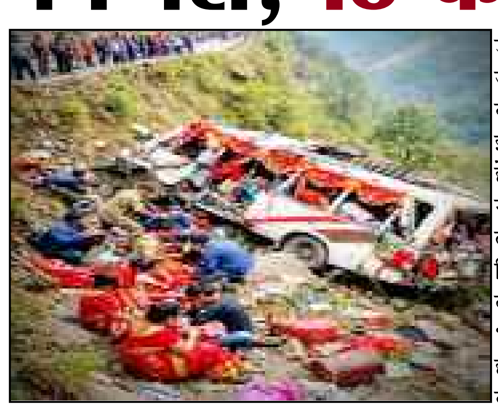

मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर

गढ़चिरौली/रायपुर ,छत्तीसगढ़ समेत देश के नक्सल प्रभावित इलाकों में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों द्वारा लगातार सख्त और निर्णायक अभियान चलाया जा रहा है। सरकार द्वारा तय समयसीमा में अब केवल करीब दो महीने का समय शेष है। ऐसे में सुरक्षाबल नक्सलियों पर अंतिम प्रहार की रणनीति के तहत आक्रमक कार्रवाई कर रहे हैं। इसी क्रम में बीते 24 घंटों के भीतर सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। हालांकि इस दौरान एक जवान के शहीद होने से माहौल गमगीन हो गया। छत्तीसगढ़ की सीमा से सटे महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली जिले में गुरुवार शाम सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई.

इस मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए, जबकि देश की सुरक्षा करते हुए एक पुलिस जवान वीरगति को प्राप्त हुआ। मुठभेड़ स्थल से सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

फर्जी नंबर प्लेट मामले में स्वामी चैतन्यानंद को मिली जमानत

लेकिन अभी भी जेल में ही रहेंगे

नई दिल्ली ,दिल्ली की पटियाला हाउस स्थित जिला अदालत ने फर्जी डिप्लोमेटिक नंबर प्लेट लगाने के मामले में आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती को बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी है। हालांकि, इस जमानत के मिलने के बावजूद स्वामी चैतन्यानंद को अभी जेल की सलाखों के पीछे ही रहना होगा, क्योंकि उन पर छात्राओं के साथ छेड़छाड़ का गंभीर मामला भी दर्ज है। इस सुनवाई के दौरान अदालत ने दिल्ली पुलिस की कार्यशैली पर कड़े सवाल उठाए और जांच को बेहद लापरवाह करार दिया।

पुलिस की चार्जशीट को बताया 'गैर-गंभीर

न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिमेश कुमार ने सुनवाई करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस ने इस मामले में जो चार्जशीट दाखिल की है, वह बहुत ही गैर-गंभीर (कैजुअल) तरीके से तैयार की गई है। अदालत ने पुलिस की जांच में कई खामियां गिनाईं। कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट देखने से यह कहीं भी साफ नहीं होता कि फर्जी नंबर प्लेट खुद आरोपी ने लगवाई थी या लगाई थी। अदालत ने हैरानी जताई कि जो ड्राइवर कार पर यह फर्जी प्लेट लगाता था, उसे पुलिस ने आरोपी तक नहीं बनाया। इसके अलावा, पुलिस ने प्लेट बनाने के स्रोत (सोर्स) की भी कोई जांच नहीं की और न ही यह स्पष्ट किया कि आरोपी ने खुद उस कार का इस्तेमाल किया था या नहीं।

पुलिस की गलती की सजा आरोपी को नहीं दे सकते

अदालत ने जमानत देते हुए तर्क दिया कि इस केस में अधिकतम सजा सात साल तक की है। चूंकि अब जांच पूरी हो चुकी है, इसलिए आरोपी को अनिश्चित काल तक जेल में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि सिर्फ इसलिए कि पुलिस ने ठीक तरीके से जांच नहीं की, किसी व्यक्ति को कैद में नहीं रखा जा सकता।

भारत पर कम टैरिफ से घबराया बांग्लादेश, अब ट्रंप के साथ यूनुस करने जा रहे सीक्रेट डील

ढाका ,भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद बांग्लादेश में चिंता बढ़ गई है। ताजा घटनाक्रम में अमेरिका और बांग्लादेश के बीच 9 फरवरी को एक ट्रेड एग्रीमेंट साइन होने की संभावना है। इस डील की शर्तों को गोपनीय रखे जाने को लेकर बांग्लादेश में आलोचना हो रही है।

खास बात यह है कि बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने हैं और उससे ठीक पहले इस कथित सीक्रेट डील की चर्चा तेज हो गई है। भारतझअमेरिका ट्रेड एग्रीमेंट के बाद बांग्लादेश ने भी अमेरिका के साथ अपनी डील को जल्दबाजी में अंतिम रूप देने की कोशिश शुरू कर दी है। अमेरिका ने भारतीय सामानों पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है।

बांग्लादेश को आशंका है कि यदि वह अमेरिका से समान या बेहतर शर्तें हासिल नहीं कर पाया, तो उसे भारत के मुकाबले अमेरिकी बाजार में नुकसान उठाना पड़ सकता है। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था काफी हद तक अमेरिका को रेडीमेड गारमेंट (आरएमजी) निर्यात पर निर्भर है, जो उसके कुल अमेरिकी निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत है। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है, जब अप्रैल 2025 में अमेरिका ने बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाया था। इसके बाद जुलाई में बातचीत के जरिए इसे 35 प्रतिशत और अगस्त में घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया। प्रस्तावित ट्रेड डील के तहत टैरिफ को और कम कर 15 प्रतिशत किए जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

इसी बीच, 2025 के मध्य में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अमेरिका के साथ एक औपचारिक नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत सभी टैरिफ और व्यापार वार्ताओं को गोपनीय रखने पर सहमति बनी थी। इस समझौते का कोई मसौदा न तो जनता, न संसद और न ही प्रमुख औद्योगिक हितधारकों के साथ साझा किया गया।

बताया जा रहा है कि प्रस्तावित डील में कई शर्तें शामिल हैं। इनमें चीन से आयात कम करना और उसके बजाय अमेरिका से सैन्य आयात बढ़ाना शामिल है। इसके अलावा, अमेरिकी उत्पादों को बांग्लादेश में बिना किसी रोक-टोक के प्रवेश देने और अमेरिकी मानकों व सर्टिफिकेशन को बिना सवाल स्वीकार करने की शर्त भी रखी गई है।

दिल्ली दंगा मामला : आरोपियों की जमानत पर नोटिस जारी, पुलिस से मांगी स्थिति रिपोर्ट

नई दिल्ली ,2020 में हुए दिल्ली दंगों से जुड़े मामलों में दिल्ली हाई कोर्ट और राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान अलग-अलग मामलों में महत्वपूर्ण आदेश पारित किए गए हैं, जिनसे दंगों की कथित साजिश और पुलिस कार्रवाई से जुड़े मामलों पर नया मोड़ आया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 2020 दिल्ली दंगों की कथित बड़ी साजिश से जुड़े मामले में आरोपी सामिल मलिक, अतहर खान और मोहसिन की जमानत याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। साथ ही, हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वह इन आरोपियों की भूमिका को लेकर विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जमानत याचिकाओं पर विचार से पहले आरोपियों की भूमिका, जांच की प्रगति और उपलब्ध सबूतों की स्थिति को समझना जरूरी है। इस मामले की अगली सुनवाई 3 मार्च को निर्धारित की गई है। वहीं, राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान जबरन राष्ट्रगान गाने से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस के दो अधिकारियों को समन जारी किया है। यह मामला फैजान नामक युवक से जुड़ा है, जिस पर आरोप है कि दंगों के दौरान उसे कथित तौर पर पुलिसकर्मियों ने पीटा और जबरन राष्ट्रगान गाने के लिए मजबूर किया।

पाकिस्तान की राजधानी में बड़ा धमाका, इमामबाड़े में 31 की मौत

इस्लामाबाद , पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद एक बार फिर भीषण आतंकी हमले से दहल उठी। फेडरल कैपिटल के शहजाद टाउन इलाके में स्थित तरलाई इमामबाड़े (शिया मस्जिद) में जुमे की नमाज़ के दौरान हुए जोरदार धमाके में अब तक 31 लोगों की मौत की खबर है, जबकि 169 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि मृतकों और घायलों की संख्या को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धमाका इतना भीषण था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों के अंग क्षत-विक्षत हो गए। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में लाशों के ढेर और तबाही का मंजर साफ नजर आ रहा है। हमले के बाद पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज पॉलीक्लिनिक अस्पताल और अस्पताल में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। बड़ी संख्या में घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक यह हमला फिदायीन (आत्मघाती) बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस, सुरक्षाबल और रेस्क्यू 1122 की टीमें मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। गौरतलब है कि इस्लामाबाद में पिछले तीन महीनों के भीतर यह दूसरा बड़ा ब्लास्ट है, जिससे राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल पूरे इलाके को घेराबंदी कर सील कर दिया गया है और जांच एजेंसियां मामले की छानबीन में जुटी हुई हैं।

युवा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं : रक्षामंत्री

भारत माता मंदिर परिसर में समाधि मंदिर एवं प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : हरिद्वार के सप्तऋषि क्षेत्र स्थित भारत माता मंदिर परिसर में ब्रह्मलीन परम पूज्य गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की समाधि मंदिर मूर्ति स्थापना के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय भव्य समारोह का शुक्रवार को विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर समाधि मंदिर एवं प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया।

समारोह के समापन अवसर पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर श्री अवधेशानंद गिरि महाराज सहित अनेक संत-महात्मा एवं गणमान्य अतिथियों ने गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गंगा तट पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस पावन अवसर पर उपस्थित होना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने मां गंगा को नमन करते हुए ऋषि-मुनियों की स्मृतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्री ने कहा कि हरिद्वार केवल एक तीर्थस्थल नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। यहीं से भारतीय संस्कृति की अखंड धारा प्रवाहित होती है। कहा कि राष्ट्र की रक्षा केवल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी सांस्कृतिक जड़ों की सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। यदि संस्कृति कमजोर होती है तो राष्ट्र भी कमजोर हो जाता है। उन्होंने सनातन संस्कृति, अद्वैत वेदांत, भक्ति परंपरा और गुरु-शिष्य संवाद को भारत की आत्मा बताया। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए देश की अखंडता, संप्रभुता और गौरव की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम में जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर श्री अवधेशानंद गिरि महाराज, कार्ष्णि पीठाधीश्वर स्वामी गुरु शरणानंद जी महाराज, उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बृजेश पाठक, हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूरी भूषण, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', विधायक प्रेमचंद अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में साधु-संत, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उत्तराखंड विकास और विरासत के संतुलन के साथ आगे बढ़ रहा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि उत्तराखंड में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज ने आध्यात्मिक साधना को समाज सेवा से जोड़कर एक विशिष्ट जीवन दर्शन प्रस्तुत किया। भारत माता मंदिर की स्थापना के माध्यम से उन्होंने राष्ट्र प्रेम और सांस्कृतिक गौरव को मूर्त रूप दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सनातन संस्कृति और विरासत को वैश्विक पहचान मिल रही है तथा उत्तराखंड विकास और विरासत के संतुलन के साथ आगे बढ़ रहा है।

भारत माता मंदिर राष्ट्रीय एकता का प्रतीक : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी सनातन परंपरा के सशक्त ध्वजवाहक थे। करुणा, मैत्री और राष्ट्रभक्ति उनके जीवन के मूल मूल्य थे। उन्होंने भारत माता मंदिर को राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह मंदिर जाति, क्षेत्र और भाषा की सीमाओं से ऊपर उठकर संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधता है।

सम्पादकीय

भारत चाबहार बंदरगाह से नाता तोड़ रहा

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि ईरान स्थित जिस चाबहार बंदरगाह परियोजना को चीन को नियंत्रित करने की भारत की पहल माना जाता था, उसका संचालन अब चीन के हाथ में ही जा सकता है! चाबहार बंदरगाह सिर्फ कारोबारी लिहाज से अहम नहीं है, बल्कि इसके साथ भारत की भू–राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाएं भी जुड़ी हुई थीं। इसे पाकिस्तान के ग्वादार में चीन निर्मित बंदरगाह के जवाब के रूप में देखा जाता था। इसके अलावा चाबहार से भारत को मध्य एवं पश्चिम एशिया से होते हुए यूरोप तक ऐसा मार्ग मिलने की संभावना थी, जिसमें पाकिस्तान नहीं आता। इस लिहाज से यह भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक तथा वाणिज्यिक हित को सुरक्षित बनाने वाली परियोजना है। मगर अब अमेरिकी दबाव में भारत चाबहार बंदरगाह से नाता तोड़ रहा है। 2018 में चाबहार में निर्माण कार्य आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका ने ईरान पर लगाए अपने प्रतिबंधों में विशेष छूट दी थी। तब समझा गया था कि चीन के पसरते पांवों पर लगाम लगाने के मुद्दे पर भारत और अमेरिका में रणनीतिक साझापन है। मगर बतौर राष्ट्रपति अपने दूसरे कार्यकाल में डॉनल्ड ट्रंप ने वह छूट वापस ले ली। कुछ समय बाद यानी बीते अक्टूबर में ट्रंप प्रशासन ने छह महीनों के लिए छूट की अवधि बढ़ाई। अब पता चला है कि यह समय विस्तार भारत को चाबहार परियोजना में हिसाब–किताब पूरा करते हुए अपना हाथ समेटने के लिए दिया गया। खबर है कि अमेरिका से बिना कोई प्रतिरोध जताए भारत समयसीमा के अंदर इस कार्य को पूरा कर रहा है। इसके बाद ईरान चाबहार बंदरगाह का संचालन किसी अन्य देश को देने के लिए स्वतंत्र होगा। संभवत: ये ठेका चीन को जाएगा। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिस परियोजना को चीन को नियंत्रित करने की भारत की पहल माना जाता था, उसका संचालन अब चीन के हाथ में ही जा सकता है। इसके पहले 2019 में ईरानी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने अचानक ईरान से अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी खत्म कर दी थी। इस कदम ने ईरानी बाज़ार को लगभग चीन के हवाले कर दिया। चीन तब से दुनिया के सस्ते ईरानी कच्चे तेल का लगभग अकेला खरीदार है, मगर उस पर अमेरिका ने कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि उसकी धौंस में आकर भारत अपने हितों की बलि चढ़ाता गया है। इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण और क्या होगा!

एक दशक में बनाई पूंजी पीके ने बिहार में गंवा दी

अजीत द्विवेदी

सबसे पहले तो यह समझना होगा कि प्रशांत किशोर ने बिहार में क्या गंवाया है? वे मानें या नहीं मानें लेकिन एक कुशल चुनाव प्रबंधक के रूप में एक दशक में बनाई गई अपनी पूंजी उन्होंने बिहार में गंवा दी है। उनके दो सौ या चार सौ करोड़ रुपए खर्च हुए वह उनका बड़ा नुकसान नहीं है। उनकी पार्टी अपना पहला चुनाव बुरी तरह से हारी यह भी कोई बड़ी बात नहीं है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जब पार्टियां पहले चुनाव में बहुत खराब करने के बाद धीरे धीरे मजबूत होती गईं और बहुत बड़ी बन गईं।

बिहार में नीतीश कुमार की बनाई समता पार्टी, जिसे अब जनता दल यू के नाम से जाना जाता है या उत्तर प्रदेश में कांशीराम की बनाई बहुजन समाज पार्टी इसकी मिसाल हैं। दोनों पार्टियों की शुरुआत बहुत खराब हुई थी। लेकिन दोनों के नेताओं को पता था कि उनका आइडिया और आइडियोलॉजी दोनों सही हैं। इसलिए दोनों मैदान में डटे रहे और राजनीतिक व चुनावी दोनों सफलता हासिल की। इसलिए प्रशांत किशोर का पहला चुनाव हार जाना उनके राजनीतिक करियर का पूर्णविराम नहीं है।

उनके लिए असली चुनौती यह है कि राजनीतिक प्रबंधक के तौर पर जो पूंजी उन्होंने बिहार में गंवाई है उसे कैसे हासिल करेंगे? अगर वे फिर से अपनी उस पूंजी को, उस साख को वापस हासिल कर लेते हैं और बिहार में डटे रहते हैं तो निश्चित रूप से कामयाब होंगे। इसके लिए वे क्या करेंगे, यह उनको शायद ही कोई समझा सकता है। वे खुद समझदार हैं और राजनीति व चुनाव की बारीकियों को बखूबी जानते हैं। वे देश के राजनीतिक इतिहास से भी परिचित हैं। इसलिए उनको पता है कि बिहार में 1995 के विधानसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद नीतीश कुमार ने कैसी राजनीति की थी।

उनको यह भी पता है कि 1984 में बसपा बनाने वाले कांशीराम ने 1989 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद क्या किया था। 1995 में नीतीश कुमार की पार्टी को 324 में से सिर्फ पांच सीटें मिली थीं। इसी तरह 1989 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा को 425 में सिर्फ 13 सीट मिली थी, जो अगले चुनाव यानी 1991 में घट कर 12 हो गई लेकिन उसके दो साल बाद 1993 के मध्यावधि चुनाव में सपा से तालमेल करके बसपा ने 67 सीटें जीतीं और उसी विधानसभा में 1995 में मायावती पहली बार 137 दिन के लिए मुख्यमंत्री बनीं।

सो, प्रशांत किशोर के लिए राजनीति का रास्ता साफ है। उनके सामने नीतीश कुमार और कांशीराम दोनों का मॉडल है। नीतीश कुमार की समता पार्टी ने 1995 की हार के बाद भाजपा के साथ तालमेल किया और लालू प्रसाद को सत्ता से हटाने के लिए राजनीति की, जिसमें निर्णायक कामयाबी 2005 के अक्टूबर में मिली। यानी पार्टी बनाने के 10 साल बाद। इसी तरह कांशीराम ने बहुजन की सत्ता स्थापित करने के लिए 1984 में बसपा बना कर राजनीति शुरू की तो 11 साल बाद 1995 के जून में मायावती को मुख्यमंत्री बनाने में कामयाब हुए। इसके लिए उनको समाजवादी पार्टी से तालमेल करना पड़ा। उनका सूत्र वाक्य था पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा चुनाव हराने के लिए और तीसरा जीतने के लिए। तीसरे चुनाव में उनको जीत मिली थी हालांकि वह निर्णायक नहीं थी। निर्णायक जीत मिली 2007 में जब बसपा ने अकेले दम पर उत्तर प्रदेश विधानसभा में बहुमत हासिल किया। सो, जाहिर है कि राजनीति में निरंतरता और समान या असमान विचार वाले दलों के साथ गठबंधन सबसे महत्वपूर्ण है।

बिहार में नीतीश कुमार की बनाई समता पार्टी, जिसे अब जनता दल यू के नाम से जाना जाता है या उत्तर प्रदेश में कांशीराम की बनाई बहुजन समाज पार्टी इसकी मिसाल हैं। दोनों पार्टियों की शुरुआत बहुत खराब हुई थी। लेकिन दोनों के नेताओं को पता था कि उनका आइडिया और आइडियोलॉजी दोनों सही हैं। इसलिए दोनों मैदान में डटे रहे और राजनीतिक व चुनावी दोनों सफलता हासिल की। इसलिए प्रशांत किशोर का पहला चुनाव हार जाना उनके राजनीतिक करियर का पूर्णविराम नहीं है। उनके लिए असली चुनौती यह है कि राजनीतिक प्रबंधक के तौर पर जो पूंजी उन्होंने बिहार में गंवाई है उसे कैसे हासिल करेंगे? अगर वे फिर से अपनी उस पूंजी को, उस साख को वापस हासिल कर लेते हैं और बिहार में डटे रहते हैं तो निश्चित रूप से कामयाब होंगे। इसके लिए वे क्या करेंगे, यह उनको शायद ही कोई समझा सकता है। वे खुद समझदार हैं और राजनीति व चुनाव की बारीकियों को बखूबी जानते हैं। वे देश के राजनीतिक इतिहास से भी परिचित हैं। इसलिए उनको पता है कि बिहार में 1995 के विधानसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद नीतीश कुमार ने कैसी राजनीति की थी।

तभी प्रशांत किशोर के कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलने की खबर को उनकी राजनीति के अगले कदम के तौर पर देखा जा सकता है। ध्यान रहे प्रशांत किशोर ने एक समय कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर देश की सबसे पुरानी पार्टी को उसका गौरव लौटाने की योजना पर काम करना चाहा था। उन्होंने लंबा चौड़ा प्रजेंटेशन कांग्रेस नेतृत्व के सामने रखा था। आधे अधूरे तरीके से कुछ प्रस्तावों को कांग्रेस ने आजमाया भी। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के असुरक्षा भाव और प्रशांत किशोर की अति महत्वाकांक्षा के कारण दोनों की बात नहीं बनी। अब फिर दोनों नजदीक आ रहे हैं तो नए किस्म के गठबंधन की आहट सुनाई दे रही है। ध्यान रहे बिहार में हमेशा एक तीसरी ताकत की गुंजाइश है।

नीतीश कुमार के उदय से पहले बिहार में कांग्रेस के मुकाबले समाजवादी पार्टियों के साथ साथ भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टियां मजबूती से चुनाव लड़ती थीं। धीरे धीरे बिहार की राजनीति दो ध्रुवीय हो गई। प्रशांत किशोर और कांग्रेस अगर तीसरी ताकत बनने की राजनीति करते हैं तो बिहार का राजनीतिक परिदृश्य दिलचस्प होगा। ध्यान रहे अगले कुछ महीनों या बरसों में बिहार की राजनीति में गुणात्मक परिवर्तन होगा। नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के राजनीतिक परिदृश्य से विदा होने के बाद बिहार की राजनीति वैसी ही नहीं रह जाएगी, जैसी पिछले 35 साल से है। उस समय कांग्रेस और प्रशांत किशोर दोनों के लिए बड़ा अवसर बनेगा।

लेकिन उससे पहले प्रशांत किशोर को चुनाव प्रबंधक और राजनीतिक गुरू के तौर पर अपनी खोई हुई साख को वापस हासिल करना होगा। इस साल होने वाला पांच राज्यों का चुनाव उनके लिए परफेक्ट मौका है। उनकी पुरानी कंपनी आईपैक का करार अब भी ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के साथ है। हालांकि आईपैक के साथ अब उनका जुड़ाव नहीं है। लेकिन उन्होंने तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय की पार्टी टीवीके से करार किया है और उनको चुनाव लड़वा रहे हैं। गौरतलब है कि 2021 में ममता बनर्जी की जीत ने प्रशांत किशोर को सबसे बड़ा सुपरस्टार बनाया था। उन्होंने दावा किया था कि भाजपा एक सौ सीट तक नहीं पहुंचेगी और भाजपा सचमुच 77 सीट पर रह गई। अब उनके लिए यह मौका तमिलनाडु में बन सकता है। अगर तमिलनाडु में त्रिशंकु विधानसभा बनती है और विजय की ऐसी हैसियत होती है कि उनके बगैर सरकार न बने तो वह भी पीके के लिए बूस्टर डोज साबित हो सकता है।

टीवीके और कांग्रेस के बीच गठबंधन की चर्चा होना भी प्रशांत किशोर की राजनीति का असर हो सकता है। तमिलनाडु में प्रशांत किशोर अपने को किस तरह से लगाते हैं, क्या मैसेज बनवाते हैं और चुनाव के बाद किस हैसियत में उभरते हैं इससे बिहार की राजनीति में उनकी और उनकी पार्टी की किस्मत बहुत कुछ निर्भर करेगी। कांग्रेस भी अगर उनको आगे मौका देती है तो उसका भी फैसला तमिलनाडु के चुनाव नतीजों से होगा। जो हो उनके लिए अभी रास्ते बंद नहीं हुए हैं। इस बीच वे और उनका संगठन फिर से बिहार में सक्रिय हो गए हैं। सोशल मीडिया में पिछले दो महीने में उनकी उपस्थिति बहुत कम हो गई थी लेकिन एक बार फिर उनकी सोशल मीडिया टीम सक्रिय हो गई है।

भारत को आत्मनिर्भर होना होगा

हरिशंकर व्यास

जैसे ही यूरोपीय संघ के साथ एक व्यापार संधि फाइनल होने की बात आई वैसे ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी भारत की और नरेंद्र मोदी की खूब तारीफ की। कहा कि जल्दी ही दोनों देशों के बीच एक अच्छी व्यापार संधि होगी। यह भारत के लिए आदर्श स्थित है कि वह भयंकर व्यापार घाटे वाले देश से व्यापार मुनाफे वाले देश में अपने को बदले। लेकिन इसके लिए ऐतिहासिक रूप से भारत ने तैयारी नहीं की। हमारे यहां इस बात पर पीठ थपथपाई जा रही है कि भारत सबसे ज्यादा मोबाइल हैंडसेट निर्यात करने वाला देश बन गया है।

सोचें, यह क्या उपलब्धि हुई? भारत अपना एक भी हैंडसेट नहीं बनाता था। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के समय भारत की घरेलू हैंडसेट कंपनियां लावा और माइक्रोमैक्स का भारत के बाजार पर कब्जा था। लेकिन दो साल के भीतर ये कंपनियां गायब हो गई हैं और चीन की मोबाइल कंपनियों ने भारत के बाजार पर कब्जा कर लिया। भारत आज अमेरिका कंपनी एपल के आईफोन और दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग के हैंडसेट असेंबल करता है और उन्हें दुनिया के देशों में बेचा जाता है। सोचें, इसमें भारत के कुछ लोगों को नौकरी मिली है, इसके अलावा भारत को क्या हासिल हो रहा है!

दुनिया के चुनिंदा देशों के साथ ही भारत व्यापार में मुनाफा कमाता है। अमेरिका उनमें से एक है। अगर भारत अपने यहां विनिर्माण सेक्टर को मजबूत नहीं करेगा, उत्पादन नहीं शुरू करेगा, शोध व विकास पर खर्च करके नई चीजें बनाना नहीं शुरू करेगा तो क्या बेचेगा? दुनिया के देशों के पास तो बेचने के लिए बहुत सारी चीजें हैं। भारत तो दूसरे देशों से खरीद कर बेचने वाला देश बन गया है। यहां बनना कैसे शुरू होगा? पहले जो लघु व कुटीर उद्योग भारत में चलते थे उनमें से ज्यादातर बंद हो गए। छोटी छोटी फैक्टरी चलाने वाले सारे लोग व्यापारी बन गए। वे चीन या दूसरे देशों में जाकर सामान लाते हैं और भारत में बेचते हैं।

असल में भारत असेंबलिंग का सेंटर बनता जा रहा है। दुनिया की कंपनी भारत में सस्ता श्रम और दूसरी चीजें हासिल कर रही हैं और अपना उत्पाद असेंबल करके दुनिया में बेच रही हैं। भारत के पास न तो अपनी तकनीक है और न अपना कोई उत्पाद है। तभी इस बात की आशंका है कि दुनिया के देशों के साथ मुक्त व्यापार की संधि होने के बाद भारत का व्यापार घाटा कहीं और न बढ़ जाए। अभी अकेले चीन के साथ एक सौ अरब डॉलर यानी करीब नौ लाख करोड़ रुपए का व्यापार घाटा है।

दुनिया के चुनिंदा देशों के साथ ही भारत व्यापार में मुनाफा कमाता है। अमेरिका उनमें से एक है। अगर भारत अपने यहां विनिर्माण सेक्टर को मजबूत नहीं करेगा, उत्पादन नहीं शुरू करेगा, शोध व विकास पर खर्च करके नई चीजें बनाना नहीं शुरू करेगा तो क्या बेचेगा? दुनिया के देशों के पास तो बेचने के लिए बहुत सारी चीजें हैं। भारत तो दूसरे देशों से खरीद कर बेचने वाला देश बन गया है। यहां बनना कैसे शुरू होगा? पहले जो लघु व कुटीर उद्योग भारत में चलते थे उनमें से ज्यादातर बंद हो गए। छोटी छोटी फैक्टरी चलाने वाले सारे लोग व्यापारी बन गए। वे चीन या दूसरे देशों में जाकर सामान लाते हैं और भारत में बेचते हैं।

जब तक निर्माण का काम शुरू नहीं होगा, तब तक व्यापार संधियों का बहुत लाभ भारत को नहीं मिलेगा। इसके लिए भारत को पहले अपनी जरुरतों को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर होना होगा। जैसे हरित क्रांति से अनाज के मामले में और श्वेत क्रांति से दूध के मामले में भारत आत्मनिर्भर हुआ वैसे ही किसी क्रांति के जरिए चीन के ऊपर से निर्भरता हटानी होगी और तब दुनिया को निर्यात करने के बारे में सोचना होगा।

कांग्रेस की समस्या

'बचाओइ या 'वापस लाओइ जैसे नारे लोगों का ध्यान खींचने के लिहाज से हमेशा अपर्याप्त साबित हुए हैं। कांग्रेस की समस्या यह है कि हाल–फिलहाल में वह भविष्य का कोई सपना या लोक–लुभावन कार्यक्रम पेश करने में नाकाम रही है।

मजदूर अधिकार के सवाल पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कांग्रेस की सही दिशा में पहल है, बशर्ते यह मुद्दा उसकी क्षणिक चिंता बन कर ना रह जाए। कामकाजी वर्ग की बढ़ती मुश्किलें और उसके घटते अधिकार आज असल मुद्दे हैं, जिनकी मुख्यधारा राजनीति में मजबूत वकालत की जरूरत है। मनरेगा खत्म कर उसकी जगह जी राम जी कानून लागू करने के नरेंद्र मोदी सरकार के फैसले के बाद कांग्रेस ने इस पर ध्यान दिया है। चूंकि मनरेगा को कांग्रेस नेतृत्व अपनी बड़ी उपलब्धि मानता था, इसलिए उस पर हुए प्रहार से वह भी विचलित हुआ। तब पार्टी ने 'मनरेगा बचाओइ आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। अब पार्टी उसे मजदूर अधिकार के बड़े दायरे से जोड़ने का संकेत दे रही है।

इस मसले पर पार्टी समग्र सोच विकसित कर सके और उसके आधार पर संगठन एवं संघर्ष की दीर्घकालिक योजना बनाए, तो उससे कांग्रेस को आज के दौर में एक खास पहचान मिल सकती है। मगर पार्टी नेतृत्व की मुश्किल यह है कि वह संयम के साथ किसी एक मुद्दे पर नहीं टिकता। और जो भी मुद्दा वह उठाता है, उसके पीछे मकसद अपनी पूर्व सरकारों के रिकॉर्ड को मोदी सरकार से बेहतर दिखाने तक सीमित रह जाता है। राफेल से लेकर ए–2 (यानी दो घरानों की मोनोपॉली) पर आक्रमक रुख अपनाने के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी जातीय जनगणना एवं 1990 के दशक के मंडल–कालीन विमर्श में जा सिमटे।

उसी क्रम में 'संविधान बचाओइ का झंडा उन्होंने उठाया। फिर 'वोट चोरीइ उनका पसंदीदा मसला बना। अब मनरेगा की वापसी उनका प्रिय विषय बना है। जबकि समझने की बात यह है कि 'बचाओइ या 'वापस लाओइ जैसे नारे लोगों का ध्यान खींचने के लिहाज से हमेशा अपर्याप्त साबित हुए हैं। कांग्रेस की समस्या यह है कि हाल के दशकों में वह भविष्य का कोई सपना या लोक–लुभावन कार्यक्रम पेश करने में नाकाम रही है। ऐसे में आम जन को उसका एजेंडा नकारात्मक मालूम पड़ता है। पार्टी के मजदूर अधिकार सम्मेलन को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाएगा। सवाल यह है कि क्या यहां से कांग्रेस कोई सकारात्मक सोच देश के सामने रख पाएगी

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस पर 12वें दिन सनी देओल की फिल्म की कमाई में आया उछाल

सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ की वार ड्रामा फिल्म बॉर्डर 2 ने 12 दिने पूरे कर लिए हैं. इन 12 दिनों में फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई 400 करोड़ रुपये के करीब आ गई है. भारत में फिल्म 350 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है. इधर, रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 को बॉक्स ऑफिस पर लोग भूलते दिख रहे हैं. चलिए जानते हैं बॉर्डर 2 की 12 वें दिन और मर्दानी 3 की पांचवें दिन कमाई कितनी हुई है.

बॉर्डर 2 की कमाई में 12वें दिन हल्का उछाल देखा गया. फिल्म ने 12वें दिन 6.69 करोड़ रुपये की कमाई की है. वहीं, बॉर्डर 2 ने 11वें दिन भारत में 6.52 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. जबकि फिल्म ने बीते रविवार 24.22 करोड़ रुपये कमाए थे. फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 315.10 करोड़ रुपये हो चुका है और फिल्म का वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये के करीब आ रही है. सैकनिल्क की मानें तो, बीती 30 जनवरी को रिलीज हुई रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 ने पांचवें दिन 2.50 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. फिल्म का भारत में कुल कलेक्शन 22 करोड़ रुपये का हो गया है. बता दें, हाल ही में, बॉर्डर 3 का भी ऐलान किया गया है. फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार और निधि दत्ता ने बॉर्डर 3 की गुडन्यूज फैंस को दी थी और अब फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार है. वहीं, बॉर्डर 2 की बात करें तो इसका निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है.

मोनालिसा की फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर का पहला लुक आया सामने

महाकुंभ 2025 में करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच एक साधारण सी लड़की अचानक चर्चा का केंद्र बन गई थी नाम था मोनालिसा। माला बेचते हुए उनकी सादगी और खूबसूरती ने लोगों का ध्यान खींचा और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो गए। कैमरों और रील्स के बीच खड़ी मोनालिसा की जिंदगी ने यहीं से एक नया मोड़ ले लिया। महाकुंभ के दौरान फिल्ममेकर सनोज मिश्रा की नजर मोनालिसा पर पड़ी। उनकी सादगी और मासूमियत ने डायरेक्टर को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने मोनालिसा को अपनी फिल्म में कास्ट करने का फैसला कर लिया। यहीं से मोनालिसा का सफर मेले से फिल्मों की दुनिया की ओर बढ़ा।

अब मोनालिसा अपनी पहली बड़ी फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुरइ् की शूटिंग पूरी कर चुकी हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता अमित राव के साथ नजर आएंगी, जो राजकुमार राव के भाई हैं। फिल्म के पूरा होने के साथ ही मोनालिसा का आत्मविश्वास भी साफ तौर पर झलकने लगा है। महाकुंभ के लगभग एक साल बाद मोनालिसा एक बार फिर प्रयागराज लौट रही हैं।

हमारी फ्लाइट बुक है, हमने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना नहीं किया

मुंबई , पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लीग मुकाबले का बहिष्कार किया है। यह मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार, 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि भारतीय खिलाड़ियों की फ्लाइट बुक है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार नहीं किया है। भारत और पाकिस्तान को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप–ए में रखा गया है, जिसमें इन दोनों देशों के अलावा, नामीबिया, नीदरलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) भी हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 भारत और श्रीलंका की सह–मेजबानी में खेला जाना है, जिसमें पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में आयोजित होंगे, लेकिन पाकिस्तान 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में भारत के विरुद्ध अपना तय मेंस टी20 वर्ल्ड कप मैच नहीं खेलेगा, क्योंकि सरकार ने टीम को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए सशर्त मंजूरी दी है। सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 कैप्टन्स डे प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, हमने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना नहीं किया, बल्कि उन्होंने मना किया है। मुझे लगता है कि मानसिकता काफी साफ है। हमने मैच खेलने से मना नहीं किया है। यह दूसरी तरफ से आया है। आईसीसी ने आधिकारिक शेड्यूल जारी कर दिया है। बीसीसीआई और सरकार ने आईसीसी के साथ मिलकर एक न्यूट्रल वेन्यू तय किया है। हमारी फ्लाइट कोलंबो के लिए बुक है। इसलिए हम निश्चित रूप से जा रहे हैं। टीम में चर्चा हुई है कि हम पहले 7 फरवरी को खेलेंगे, फिर वहां जाएंगे।उल्लेखनीय है कि भारत के साथ न खेलने का पाकिस्तान का रुख आईसीसी के टी20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल करने के फैसले के बाद आया है।

आलिया भट्ट ने दृश्यम 2 निर्देशक अभिषेक पाठक से मिलाया हाथ

अभिनेत्री आलिया भट्ट आगामी फिल्म एल्फा को लेकर चर्चा में हैं जो इसी साल रिलीज होगी। खबर है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म के लिए कमर कस ली है। अभिनेत्री एक हाई–वोल्टेज ड्रामा प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रही हैं, जिसके लिए उन्होंने निर्देशक अभिषेक पाठक से हाथ मिलाया है। इस फिल्म का शीर्षक हाउसवाइफ होगा और आलिया को एक विवाहित महिला का किरदार निभाते देखा जाएगा। बता दें, अभिषेक ने अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 2 का निर्देशन किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, हाउसवाइफ नाम वाली इस फिल्म की कहानी एक विवाहित जोड़े के इर्द–गिर्द घूमेगी जिसमें आलिया एक गृहणी के किरदार में होंगी। फिल्म में मुख्य पुरुष किरदार के लिए राजकुमार राव

से बातचीत चल रही है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी दिलचस्प तो दिखाई है, लेकिन अभी तक कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है। अगर राजकुमार हामी भरते हैं, तो पहली बार फिल्मी पर्दे पर आलिया और राजकुमार की जोड़ी दिखाई देगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आलिया हाउसवाइफ में सिर्फ अभिनय नहीं करेंगी, बल्कि अपनी कंपनी एटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस और पैनोरमा स्टूडियोज के सहयोग से सह–निर्माता भी होंगी। फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर, 2026 के बीच शुरू होने की संभावना है। तब तक निर्देशक दृश्यम 3 की शूटिंग पूरी कर लेंगे जिसके जरिए अजय की दमदार वापसी होगी।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका

नई दिल्ली ,। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले मुकाबले से कुछ घंटे पहले ही टीमों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। चोटों के कारण खिलाड़ियों के बाहर होने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उनके बाहर होने की पुष्टि कर दी है, जबकि रिप्लेसमेंट का ऐलान बाद में किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम को टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक एक दिन पहले यह बड़ा झटका लगा है। हेजलवुड पहले से ही चोट से जूझ रहे थे और उनके बाहर होने की आशंका जताई जा रही थी। हालांकि उन्हें ठीक होने की उम्मीद में टीम में शामिल किया गया था, लेकिन वे पूरी तरह फिट नहीं हो पाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि इससे पहले तेज गेंदबाज और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। इससे टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आने लगा है।

पाकिस्तान सरकार ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली ,। पाकिस्तानी सरकार ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भाग लेने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम को मंजूरी दे दी है। हालांकि, इस मंजूरी के साथ सरकार ने एक अहम शर्त रखी है। सरकारी आदेश के अनुसार पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में हिस्सा नहीं लेगी। इसका मतलब है कि पाकिस्तान टूर्नामेंट में खेल तो करेगा, लेकिन भारत–पाकिस्तान मुकाबले से दूरी बनाएगा।

गवर्नमेंट ऑफ पाकिस्तान ने इस बारे में आधिकारिक ङ्क हैंडल से ट्वीट किया, जिसमें लिखा गया इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भाग लेने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम को मंजूरी देती है, हालांकि 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ निर्धारित मैच नहीं खेला जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद पर दबाव बनाने और आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईसीसी पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि संस्था बीसीसीआई के प्रभाव में काम कर रही है।

आईसीसी को अभी नहीं मिली आधिकारिक सूचना

सूत्रों के अनुसार, आईसीसी को अभी तक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से इस मामले में कोई लिखित सूचना नहीं मिली है। आईसीसी की तरफ से किसी भी तरह की कार्रवाई या प्रतिबंध तभी तय होगा जब पीसीबी आधिकारिक तौर पर जानकारी देगा।

पीएम शहबाज शरीफ और नकवी की बैठक के बाद फैसला

यह घोषणा उस महत्वपूर्ण बैठक के कुछ ही मिनटों बाद आई, जो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और क्क्रष्टक्क चेयरमैन मोहसिन नकवी के बीच हुई थी। इससे पहले नकवी ने कहा था कि टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भागीदारी पर अंतिम फैसला 30 जनवरी या 2 फरवरी तक लिया जाएगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी पर दोबारा विचार तब शुरू किया,

एक नजर

शहर का माहौल खराब करने वालों पर हो कानूनी कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में दुकान का नाम बदलने को लेकर हुए विवाद के बाद महौल खराब करने वालों पर कार्रवाई की मांग को लेकर जन अधिकारी फोरम ने प्रशासन का ज्ञापन दिया। कहा कि ऐसे लोगों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

इस संबंध में सदस्यों ने तहसील में पहुंचकर प्रशासन के माध्यम से पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन दिया। फोरम के महासचिव भूपाल सिंह ने कहा कि कुछ दिन पूर्व शहर में दुकान का नाम बदलने को लेकन विवाद हुआ था। इसके बाद कई लोगों ने शहर में सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया।

कहा कि लोगों का इस तहर का कृत्य किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। जिन युवाओं ने सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए बीच-बचाव किया, पुलिस ने उन्हीं पर नामजद मुकदमें दर्ज कर दिए। जबकि उपद्रवियों पर अज्ञात के रूप में मुकदमा दर्ज किए गए।

उन्होंने दीपक व विजय रावत के खिलाफ दर्ज मुकदमों को तत्काल वापस लेने व उपद्रवियों के खिलाफ नामजद मुकदमें दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करवाने की मांग की है। इस मौके पर अभिषेक, मनोज, अजय, दीपमोहन नेगी, विपिन नेगी मौजूद रहे।

अंकिता भंडारी के परिजनों से मिली ज्योति अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मशहूर व्लॉगर ज्योति अधिकारी शुक्रवार को अंकिता भंडारी के गांव पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने अंकिता के परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि वह पहले भी अंकिता के परिजनों से मिलना चाहती थीं लेकिन किन्हीं कारणों से यह संभव नहीं हो पाया था।

ज्योति अधिकारी ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों के सहयोग से एकत्र की गई धनराशि अंकिता के परिजनों को आर्थिक मदद के रूप में सौंपी। उन्होंने बताया कि अंकिता की मां सोनी देवी की तबीयत काफी खराब चल रही है। ज्योति अधिकारी ने आरोप लगाया कि अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की आवाज उठाने पर उन्हें छः दिन जेल में रहना पड़ा। उन्होंने कहा कि अंकिता के परिजन बीते चार वर्षों से न्याय की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें इंसाफ नहीं मिला है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अंकिता के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए वह हरसंभव प्रयास करती रहेंगी और उनकी लड़ाई में लगातार साथ खड़ी रहेंगी।

कांग्रेस ने किया केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला मुख्यालय में मनरेगा योजना का नाम बदले जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को डीएम कार्यालय का घेराव कर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार गांधी शब्द को ही मिटाना चाहती है, जिसका सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों और रोजगार पर पड़ रहा है।

शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डीएम कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष विनोद नेगी ने कहा कि ग्रामीण इलाकों से लगातार पलायन हो रहा है। मनरेगा जैसी योजना ग्रामीण युवाओं की आय का अहम साधन थी, लेकिन राजनीतिक द्वेषभाव के कारण इसे हटाया गया है। इस दौरान प्रदर्शन करने वालों में सुंदरलाल मुयाल, अनूप सिंह, विनोद दनोसी, तामेश्वर आर्य, अरूणा कुमार, भाष्कर बहुगुणा, भरत सिंह, कमला नेगी, वीरप्रताप आदि मौजूद रहे।

खेती बचाने के लिए खर्च किए लाखों, जानवर खा रहे फसल

दुगड्डा ब्लाक के भट्ट गांव में क्षतिग्रस्त पड़ी फेंसिंग लाइन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : एक समय दुगड्डा ब्लॉक के भट्ट गांव व जयगांव में बेहतर खेती होती थी। जिसके बाद वन विभाग ने लाखों रुपये खर्च कर फसल बचाने और जंगली जानवरों से निजात के लिए गांव के आसपास फेंसिंग लाइन लगाई। लेकिन, वर्तमान में यह फेंसिंग लाइन जगह-जगह टूट चुकी है। बावजूद इसकी मरम्मत पर ध्यान देना वाला कोई नहीं है। नतीजा, आज भी जंगली जानवर गांव में घुसकर काश्तकारों की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। ग्रामीणों को गांव से पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

भट्ट गांव व जयगांव की बेहतर खेती एक पहचान थी। लेकिन, धीरे-धीरे आसपास के जंगल से जंगली जानवर गांव में पहुंचकर काश्तकारों की खेती को नुकसान पहुंचाने लगे। ग्रामीणों की शिकायत के बाद सरकारी सिस्टम ने वर्ष 2019 में करीब 65 लाख रुपये की लागत से साढ़े छह किलोमीटर के क्षेत्र में फेंसिंग लाइन बिछाने का कार्य किया। लेकिन, कुछ वर्ष बाद ही फेंसिंग लाइन ने जवाब देने शुरू कर दिया था। ग्रामीण मुकेश भट्ट ने बताया कि वर्तमान में फेंसिंग लाइन कई स्थानों पर टूट चुकी है। स्थिति के बारे में कई बार वन विभाग को अवगत करवा चुके हैं। लेकिन, आज तक कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर झांकने तक नहीं पहुंचा। जबकि, होना तो यह चाहिए था कि समय-समय पर फेंसिंग लाइन का निरीक्षण कर इसकी देखरेख की जाती।

पलायन को मजबूर ग्रामीण

भट्ट गांव व जयगांव के ग्रामीणों की आर्थिकी खेती पर ही टिकी हुई थी। लेकिन, जंगली जानवर आए दिन उनकी खेती को नुकसान पहुंचा देते हैं। नतीजा, मेहनत के बाद भी फल नहीं मिलने से परेशान ग्रामीणों ने खेती से मुंह मोड़ लिया है। ऐसे में वह रोजगार के लिए गांव से पलायन को भी मजबूर हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले पांच वर्षों में बीस से अधिक परिवार गांव से पलायन कर चुके हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से फेसिंग लाइन की मरम्मत करवाकर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग की है।

जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़े बालिकाएं

कोटद्वार के राजकीय इंटर कालेज झंडीचौड़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते वक्ता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय इंटर कॉलेज झंडीचौड़ में समग्र शिक्षा अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान छात्राओं को स्वच्छता का भी संदेश दिया गया।

आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डा. सोहन लाल ने छात्राओं को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। रंजना रावत ने छात्राओं को शारीरिक बदलाव के बारे में बताया। कहा कि इस दौरान आधी अधूरी जानकारी घातक हो सकती है। इसलिए बालिकाओं के लिए उनकी माता ही सही मार्गदर्शक हो सकती है। जिसके मार्गदर्शन में बालिकाएं अपने व्यक्तित्व का समग्र विकास कर सकती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से नशे से दूर रहने के लिए भी प्रेरित किया। परामर्शदाता उर्मिला तड़ियाल ने बालिकाओ को स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिए जाने के लिए प्रेरित किया। कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता की जानकारी से दवाइयों की निर्भरता कम हो जाती है। प्रधानाचार्य डा. सोहन लाल ने कार्यक्रम की सराहना की है, कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों से छात्राओं को लाभ होता है। इस मौके पर शीला भारती, करन सिंह रावत, सरिता भट्ट, दीपा, सुनीता बिष्ट मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने अधिकारियों को गिनवाई समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : द्वारीखाल के सिराई में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने अधिकारियों को अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया। शिविर में 45 शिकायतें दर्ज की गई, जिसमें से अधिकांश को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। शिविर में 135 लोगों को योजनाओं का लाभ दिया गया। अपर सचिव पंचायतीराज श्याम सिंह की अध्यक्षता व सिंचाई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष ऋषि कंडवाल की मौजूदगी में आयोजित शिविर में क्षेत्र के लोगों ने बिजली, पानी, सड़क स्वास्थ्य, जंगली जानवरों सहित 45 शिकायतें दर्ज करवाई। बैठक में अधिकांश शिकायतों को मौके पर ही निस्तारित करवा दिया। अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल ने शिविर में मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिविर में दर्ज हुई शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव है, उन्हें तत्काल निपटाया जाए, ताकि ग्रामीणों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। अपर सचिव पंचायतीराज व अपर जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों के माध्यम से लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख बीना राणा, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह राणा, उपजिलाधिकारी संदीप कुमार, जिला पंचायतीराज अधिकारी जितेंद्र कुमार, अपर मुख्यधिकारी भावना रावत, प्रबंधक उद्योग उपासना सिंह, खंड विकास अधिकारी जयकृत बिष्ट, उद्यान सहायक गणेश सिंह, ग्राम विकास अधिकारी सुमित सिंह मौजूद रहे।

चमोली जिले में दो स्थानों पर आयोजित होगें विधिक जागरूकता शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जनपद में दो बहुउद्देशीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। पुनीत कुमार (सिविल जज/सचिव), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चमोली ने बताया कि पहला शिविर 14 फरवरी, 2026 को शिव मंदिर प्रांगण, डुंग्री, तहसील थराली में प्रातः 10 बजे से और दूसरा शिविर 16 फरवरी, 2026 को बस स्टेशन/मेला स्थल, तहसील नन्दानगर (घाट) में प्रातः 10 बजे से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में आम नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों, न्यायिक सहायता, तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी।

भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने की दीपक से बात

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार में दुकान का नाम बदलने को लेकर हुआ तनाव अब शांत होने लगा है। विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों की ओर से भी सोशल मीडिया पर शांति की अपील की जा रही है। वहीं, भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने दीपक कुमार से फोन पर वार्ता करते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

मालूम हो कि, 26 जनवरी को कोटद्वार के पटेल मार्ग पर दुकान का नाम बदलने को लेकर विवाद हो गया था। जिसके बाद 31 जनवरी को देहरादून व हरिद्वार से पहुंचे विश्व हिंदू परिषद व बजरंगदल के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने मामले से जुड़े दीपक कुमार के जिम के समीप पहुंचकर हंगामा किया। मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों ने किसी तरह मामले को शांति किया। इसके बाद उत्तर प्रदेश सहित अन्य मैदानी क्षेत्रों से दीपक कुमार के समर्थन में उनसे

कोटद्वार में दीपक कुमार से मुलाकात करते भीम आर्मी के पदाधिकारी

मिलने के लिए विभिन्न संगठनों के लोग पहुंच रहे थे। संगठन से जुड़े लोग सोशल मीडिया पर भी मामले को तूल देने का प्रयास कर रहे थे। जिससे शहर में तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कौड़िया चैक पोस्ट के साथ ही उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की सीमाओं पर पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई। एक दिन पूर्व ही भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद के भी कोटद्वार पहुंचने की चर्चा चल रही थी। जिसके बाद कौड़िया चैक पोस्ट को छावनी में तब्दील कर दिया गया। लेकिन, चंद्रखेशर आजाद कोटद्वार नहीं पहुंचे। भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष महक सिंह कोटद्वार पहुंचे और उन्होंने फोन पर वीडिया काल के माध्यम से चंद्रशेखर की वार्ता दीपक कुमार से करवाई। चंद्रशेखर ने दीपक को पूरी मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने महक सिंह को भी दीपक के साथ खड़े रहने के निर्देश दिए। कहा कि वह जल्द ही दीपक को सम्मानित भी करेंगे।

दीपक बजरंगी को किया गिरफ्तार

मामले को लेकर पुलिस गंभीरता से कार्य कर रही है। इसी के तहत पुलिस ने सोशल मीडिया पर भी निगरानी कर रही है। कोटद्वार में भडकाऊ बयानबाजी से संबंधित मामले में पुलिस ने यति परमानंद सरस्वती (दीपक बजरंगी) को गिरफ्तार किया है। यति परमानंद एक एक दिन पूर्व ही एक समुदाय विशेष को लेकर बयान जारी किया था।

12वीं के विद्यार्थियों को दी विदाई, प्रतिष्ठा मिस व सृजन बनें मिस्टर डीएवी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डीएवी पब्लिक स्कूल बलभद्रपुर में 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतिष्ठा को मिस व सृजन को मिस्टर डीएवी का खिताब दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। गढ़वाली, कुमाऊंनी सहित अन्य गीतों पर दी गई प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य नितिन भाटिया ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि जीवन में मेहनत करने वाले विद्यार्थियों को सफलता अवश्य मिलती है। कार्यक्रम में प्रतिष्ठा को मिस व सृजन को मिस्टर डीएवी का खिताब दिया गया। साथ ही स्पार्क द डे का खिताब जिया मेहरा व शुभम कुमार को दिया गया। बच्चों के लिए हुई विभिन्न मनोरंजन प्रतियोगिता में सुहानी नेगी, साक्षी, मानसी, नितिन, हर्षित

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी

व श्रेष्ठ ने अव्वल स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर अविका, कनक अग्रवाल, कीर्ति डंडरियाल, धर्मेंद्र शर्मा, मीनाक्षी भाटिया, सीमा रावत, सोनाक्षी बंसल आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मीनाक्षी भाटिया ने किया।

कर्णमंदिर में लगेगा 100 फीट उंचा तिरंगा, गंगा आरती होगी

चमोली। पालिका के एक वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पालिकाध्यक्ष गणेश शाह ने कहा कि नगर में जल्द 100 फीट उंचा तिरंगा लगाया जाएगा। इसकी स्थापना कर्णमंदिर परिसर में होगी। साथ ही गंगा आरती का शुभारंभ भी होगा। कार्यक्रम में नगर पालिका वार्ड की विभिन्न कीर्तन मंडलियों और ममंद ने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। शुक्रवार को नगर पालिका के बरातघर में आयोजित कार्यक्रम में नव दुर्गा कीर्तन मंडली शक्तिनगर, उमा माहेश्वरी कीर्तन मंडली आईटीआई, मन्नपूर्णा देवी ममंद पाडली, उमा देवी कीर्तन मंडली और ममंद ने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। नगर पालिका अध्यक्ष गणेश शाह ने कहा कि एक साल में कई विकास कार्य किए गए हैं। नगर में पार्किंगों की स्वीकृति, ड्रेनेज के लिए डीपीआर, साफ सफाई, स्ट्रीट लाइटें आदि लगाई हैं।

बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडाउन : पर्यटन नगरी लैंसडाउन में छावनी शहर में रहने वाले नागरिकों ने एसडीएम से शिकायत कर बंदरों के आंतक से निजात दिलाने की मांग की। उन्होंने बताया कि कई बार महिला और बच्चों को बंदर काट कर घायल कर चुके हैं। बंदरों के आतंक से लोग डरे हुए हैं।

शुक्रवार को कांग्रेस नगर अध्यक्ष गंभीर सिंह की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधि मंडल ने बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नगर अध्यक्ष कांग्रेस नगर अध्यक्ष गंभीर सिंह रावत का कहना है कि छावनी शहर में रहने वाले ऐसे लोगों पर भी कार्रवाई की जाए जो बंदरो को अपने घरों से खाना दे रहे हैं। बंदर कई बार महिलाओं और बच्चों को काटकर घायल कर चुके हैं। बच्चों में बंदरों की दहशत कायम है। लोग अपनी छतों पर जाने से डर रहे हैं। बंदर लोगों को आर्थिक नुकसान भी पहुंचा रहे है। एसडीएम लैंसडाउन से आग्रह किया गया है कि वह बंदरों को पकड़वा कर जंगलों में छुड़वा दे। इस मौके पर स्थानीय निवासी सुरेंद्र सिंह, दीपक अग्रवाल, संदीप आदि मौजूद रहे।

सिन्द्रवाणी क्षेत्र में गुलदार पिंजरे में कैद, वन विभाग को मिली बड़ी सफलता

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : बीती देर रात्रि लगभग 10 बजे सिन्द्रवाणी क्षेत्र के ककोड़ाखाल के समीप वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक मादा गुलदार (आयु लगभग 3-4 वर्ष) को कैद किया गया है। वन विभाग की टीम द्वारा उक्त गुलदार की पहचान सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सैंपल लिए गए हैं, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया देहरादून तथा पशुलोक ऋषिकेश भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि सिन्द्रवाणी की घटना में यही गुलदार शामिल था या नहीं। रुद्रप्रयाग जनपद के सिन्द्रवाणी क्षेत्र में बीते 3 जनवरी को हुई दुःखद घटना, जिसमें एक पांच वर्षीय मासूम बच्चे को गुलदार ने अपना शिकार बना लिया था, के बाद से पूरे क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल बना हुआ था। घटना के तुरंत बाद जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं वन विभाग की विभिन्न टीमों द्वारा गुलदार की धरपकड़ के लिए व्यापक स्तर पर सर्च अभियान चलाया जा रहा है। क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पिंजरे लगाए, ट्रैप कैमरे स्थापित किए गए है तथा विशेषज्ञ टीमों द्वारा लगातार क्षेत्र में निगरानी एवं सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उप प्रभागीय वनाधिकारी, अगस्त्यमुनि रेंज, देवेंद्र सिंह पुंडीर ने जानकारी देते हुए बताया कि मादा गुलदार के पिंजरे में कैद होने के बाद भी एहतियातन सिन्द्रवाणी क्षेत्र में अन्य स्थानों पर लगाए गए पिंजरे यथावत रखे गए हैं। साथ ही आधुनिक उपकरणों की सहायता से क्षेत्र में गुलदारों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। वन विभाग के कर्मियों द्वारा निरंतर गश्त एवं सर्च अभियान जारी रखा गया है, ताकि क्षेत्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिला प्रशासन एवं वन विभाग ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, अनावश्यक रूप से रात्रि में बाहर न निकलें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल वन विभाग या स्थानीय प्रशासन को दें।

लंच विद एसडीएम की पहल शुरू, मेधावी छात्राओं से परीक्षा पर संवाद

थलीसैंण में छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण, बोर्ड परीक्षा को लेकर हुई सार्थक चर्चा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत विकासखंड थलीसैंण में 12वीं कक्षा की छात्राओं के लिए शैक्षिक भ्रमण एवं परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को प्रशासनिक व्यवस्था, विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ आगामी बोर्ड परीक्षा को लेकर मार्गदर्शन दिया गया। इस मौके पर छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस दौरान उप जिलाधिकारी थलीसैंण कृष्णा त्रिपाठी ने छात्राओं के साथ आगामी बोर्ड परीक्षा को लेकर सार्थक संवाद किया। छात्राओं ने विषयों, तैयारी की रणनीति और परीक्षा से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका उप

जिलाधिकारी ने प्रेरक और सरल तरीके से उत्तर देते हुए मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि उप जिलाधिकारी थलीसैंण की नयी पहल के तहत ह्लंच विद एसडीएमह्व की अवधारणा की भी शुरुआत की गयी, जिससे प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच संवाद, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा का सशक्त मंच विकसित हो सके। सभी छात्राओं ने उप जिलाधिकारी के साथ दोपहर का भोजन किया और उन्होंने आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को बाल विकास परियोजना अधिकारी पूजा रावत, सुपरवाइजर बबीता चौहान द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गयी। छात्राओं को विकासखंड थलीसैंण और तहसील का भ्रमण भी कराया गया, जहां तहसीलदार एवं राजस्व उप निरीक्षक द्वारा राजस्व से जुड़े कार्यों की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उप जिलाधिकारी के प्रशासनिक एवं न्यायिक उत्तरदायित्वों से छात्राओं को अवगत कराया गया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी टीकाराम कोटियाल, समाज कल्याण विभाग से शालिनी बलोधी, पंचायती राज विभाग से संतोष सिंह रावत, ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम्य विकास से रोहित पंवार, एनआरएलएम से पंकज जयाड़ा, मनरेगा से योगेश सिंह रावत, स्थापना संबंधी नवीन तोमर, लेखा संबंधी राकेश कुमार सहित जीआईसी थलीसैंण से शैलजा, कोमल, सुषमा व नेहा, जीआईसी गंगाऊ से आस्था व अल्का, पीएम श्री बगवाड़ी से गीता व श्वेता शामिल रहीं।

छात्रों को बिना झिझक सहायता लेने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सेंट थॉमस स्कूल, पौड़ी में शुक्रवार को बाल अधिकारों, संरक्षण एवं विधिक प्रावधानों को लेकर जनजागरुकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम, बाल अधिकारों तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता के प्रति जागरुक किया गया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए निखिल डेविड ने किशोर न्याय अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी विद्यार्थियों को दी। वहीं प्रज्ञा नैथानी ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी आपात स्थिति में यह सेवा बच्चों के लिए मददगार है और तुरंत सहायता उपलब्ध

कराती है। बाल कल्याण समिति की सदस्य सुनीता भट्ट ने पॉक्सो अधिनियम एवं बाल अधिकारों से जुड़ी अहम जानकारियां साझा की। उन्होंने बच्चों को सुरक्षित रहने, सतर्क रहने और किसी भी प्रकार की परेशानी की स्थिति में बिना झिझक सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से असिस्टेंट लीगल काउंसिल विनोद कुमार ने बच्चों को उनके विधिक अधिकारों तथा कानूनी सहायता से संबंधित जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका सिस्टर सूमिनी सहित सूरज कुमार, ओम प्रकाश थपलियाल, पूजा नेगी सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बच्चों की जांच रिपोर्ट सामान्य आई

चमोली। विकासखंड के मठकोट गांव के 23 बच्चों की जांच रिपोर्ट सामान्य आई है। इस पर ग्रामीणों के साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने भी राहत की सांस ली है। स्वास्थ्य विभाग ने खून के सैंपल जांच के लिए लखनऊ प्रयोगशाला भेजे थे। बीते दिनों मठकोठ के चालीस से अधिक बच्चे अज्ञात बीमारी से पीड़ित थे। विभाग ने मठकोट गांव में 27 जनवरी को शिविर लगाया था और 40 बच्चों सहित 79 लोगों की स्वास्थ्य जांच की थी। 25 बच्चों के खून के सैंपल लिए गए। इसमें से 12 बच्चों की रिपोर्ट सामान्य आई लेकिन 13 बच्चों के लीवर में संक्रमण होने पर विभाग ने एहतियातन दोबारा जांच की।

इनमें 23 बच्चों के दोबारा सैंपल लिए गए और जांच के लिए लखनऊप्रयोगशाला भेजा गया। सीएचसी के सीएमएस डॉ. अर्जुन रावत ने बताया कि खून नमूने हैपेटाइटिस ए की जांच के लिए भेजे गए थे। सभी रिपोर्ट निगेटिव हैं। मठकोठ गांव के हयाद सिंह ने कहा कि अब गांव के सभी बच्चे ठीक हैं।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
विभाग: Electrical (TRD)
टेंडर नं: T-11-TRD-MB-25-26-18
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय: 02.03.2026, 15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (₹): ₹ 1,85,72,382.13/- (Including GST@18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹): ₹ 2,42,900/-
निविदाप्रपत्र मूल्य (₹): NIL
ऑफर की वैधता (दिन): 60 days
कार्य पूरा करने की अवधि: 09 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता: www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad
सं.: Elect/TRD/MB/2025-26/TN-20 दिनांक: 06.02.2026 428/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

69 की हुई जांच, ग्रामीणों को दिया स्वास्थ्य परामर्श

चमोली। विकासखंड के एंड गांव में ग्राफिक एरा अस्पताल की ओर से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 69 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य की जांच कराई। साथ ही ग्रामीणों की बीपी, शुगर, हिमोग्लोबिन आदि की जांच भी की गई। डॉ. शिवम त्यागी ने ग्रामीणों को जरूरी स्वास्थ्य परामर्श भी दिया। उन्होंने कहा कि ठंड में खून गाढ़ा हो जाता है और हार्टअटैक की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में ठंड के मौसम में पर्याप्त पानी पिएं। शिविर में ग्रामीणों को निशुल्क दवाएं भी दी गईं। इस मौके पर पूर्व सैनिक संजय लखेड़ा, लैब तकनीशियन सचिन पांडेय और फार्मासिस्ट अमित रावत आदि मौजूद रहे।

औली में चैंपियनशिप की तैयारियों का लिया जायजा

चमोली। औली में विंटर कार्निवाल और राष्ट्रीय स्कीइंग चैंपियनशिप की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को उपजिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ औली पहुंचे। औली में 12 से 16 फरवरी तक विंटर कॉर्निवाल और राष्ट्रीय स्कीइंग चैंपियनशिप का आयोजन प्रस्तावित है। प्रशासन भी प्रतियोगिता के आयोजन के लिए तैयारियों में जुट गया है। उपजिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ ने औली का निरीक्षण कर बर्फ की उपलब्धता देखी। उन्होंने बताया कि औली में विंटर कॉर्निवाल के लिए गढ़वाल मंडल विकास निगम की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होगा इसकी रुपरेखा तैयार की जा रही हैं। कार्निवाल में स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जाएगी। रम्माण आयोजन के साथ ही स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

जिला उद्योग केंद्र ने लगाया शिविर, योजनाओं की दी जानकारी

चमोली। शुक्रवार को मुख्य बाजार में जिला उद्योग केंद्र ने शिविर लगाकर लोगों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। जिला उद्योग केंद्र के सहायक प्रबंधक भरत सिंह ने सीएम स्वरोजगार योजना 2.2 के तहत दो लाख के ऋण पर 35 प्रतिशत अनुदान सहित अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में मौजूद पशुपालन विभाग के किशोर कुमार ने भी लोगों को पशुपालन को स्वरोजगार से जोड़ने की योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में 22 से अधिक लोगों ने स्वरोजगार के लिए ऋण के लिए पंजीकरण करवाया।

गांव के समीप दिख रहा गुलदार

चमोली। ब्लॉक के ग्राम पंचायत सेम और बसक्वाली में गुलदार की दहशत से निजात दिलाने के लिए जन प्रतिनिधियों ने उप जिलाधिकारी और वन क्षेत्राधिकारी को ज्ञापन दिया। ग्राम प्रधान सेम पूनम और वन सरपंच खगेली राजपाल कुंवर ने बताया कि सेम, तोप, सिरोली और खगेली गांवों के समीप दिन और रात गुलदार घूमता दिख रहा है। गुलदार की दहशत से ग्रामीण अपने खेतों और पशुओं के लिए चारा–पत्ती लेने समीपवर्ती जंगल में नहीं जा पा रहे हैं। अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने से डर रहे हैं। उन्होंने एसडीएम और वन क्षेत्राधिकारी से गांवों में पिंजरा लगाने और गश्त की गुलदार की दहशत से ग्रामीणों को निजात दिलाने की मांग की। पिंडर रेंज के वन क्षेत्राधिकारी अखिलेश भट्ट ने बताया कि सेम, तोप, सिरोली और खगेली में वन कर्मियों को गश्त करने के निर्देश दिए हैं।

10 और 11 फरवरी को जिले में नि:शुल्क विधिक सहायता एवं जागरूकता कार्यक्रम

अल्मोड़ा। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशों के अनुपालन में जनपद अल्मोड़ा के विभिन्न क्षेत्रों में 10 और 11 फरवरी को निःशुल्क विधिक सहायता, विधिक साक्षरता और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शचि शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों के संचालन के लिए मोबाइल वैन के माध्यम से रूट चार्ट तैयार किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक विधिक सहायता और कानून संबंधी जानकारी पहुंचाई जा सके। 10 फरवरी को तहसील अल्मोड़ा क्षेत्र में करबला चौराहा, धारानौला बाजार, सिकुड़ा तिराहा, ग्राम बख, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढौरा, पलना बैंड, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पौधार, ग्राम जलना, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जलना, लमगड़ा बाजार, राजकीय इंटर कॉलेज दयूलाथल, चलनीछीना बाजार, सुवाखान बाजार, गरूड़ाबाज और आरतोला बाजार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

केंद्र ने स्वीकृत की 264 करोड़ की प्रोत्साहन राशि

आवास और शहरी विकास विभाग में सुधार पर होगें खर्च

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में शहरी विकास और आवास विभाग के स्तर से लागू किए गए विभिन्न सुधारों के लिए केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को 264.5 करोड़ की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है।

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय ने राज्यों को शहरी विकास और आवास विभाग से संबंधित विभिन्न नीतिगत सुधारों को लागू करने को कहा था। इन सुधारों को लागू करने के क्रम में मंत्रालय ने उत्तराखंड को स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इनवेस्टमेंट 2025-26 के क्रम में कुल 264.5 करोड़ की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। इसमें शहरी विकास विभाग को जीआईएस आधारित यूटिलिटी मैपिंग (सीवर, पेयजल, ड्रैनेज कार्य) के लिए 03 करोड़, सरकारी जमीनों और भवनों की मैपिंग के लिए 6.5 करोड़ और निकायों के स्तर पर आय के स्रोत बढ़ाने के लिए 10 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि जारी की गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार केंद्र सरकार के सभी दिशा निर्देशों को पूरी निष्ठा के साथ अमल में लाने का प्रयास कर रही है। इसी क्रम में आवास और शहरी विकास विभाग में किए गए रिफार्म पर 264.5 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत हुई है, इससे पहले खनन क्षेत्र में किए गए सुधारों के लिए भी केंद्र सरकार से 200 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि मिल चुकी है। उत्तराखंड गुड गवर्नेंस का एक आदर्श मॉडल बनकर सामने आया है।

सरकार प्रतिबद्धता के साथ कर रही काम

मंत्रालय ने सबसे अधिक प्रोत्साहन राशि आवास विभाग के अधीन लागू किए गए सुधारों के लिए स्वीकृत की है। अरबन लैंड एंड प्लानिंग रिफार्म के तहत उत्तराखंड आवास विभाग ने टाउन प्लानिंग स्कीम और लैंड पूलिंग स्कीम के नियम लागू किये थे, जिसके लिए मंत्रालय ने 100 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की है।

इसी तरह पुराने शहरी क्षेत्रों के पुनरुद्धार कार्यक्रम के लिए 140 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही बिल्डिंग बायलॉज में ग्रीन बिल्डिंग के मानक लागू करने के लिए 05 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। सचिव आवास डॉ. आर राजेश कुमार ने कहा कि आवास विभाग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में, उत्तराखंड के प्रत्येक नागरिक को किफायती आवास उपलबध कराने के साथ ही उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है।

स्कूली परीक्षा चुनौती नहीं बल्कि परिपक्व होने का एक पड़ाव : धामी

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नेशविला रोड स्थित सेंट एग्नेस स्कूल में प्रधानमंत्री के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण से जुड़ा है। यह आयोजन अब केवल संवाद नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। प्रधानमंत्री का संदेश हमें यह सिखाता है कि परीक्षा जीवन की एक कड़ी हो सकती है, लेकिन सम्पूर्ण जीवन नहीं।

मुख्यमंत्री ने अपने स्कूली जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्कूल का समय अमूल्य होता है, जो दोबारा लौटकर नहीं आता। इसलिए, विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल और अन्य गतिविधियों में भी निरंतर प्रतिभाग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा एक अवसर है, जिसमें छात्र एक योद्धा की तरह पूरे आत्मविश्वास, धैर्य और शांति के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं। केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना ही काबिलियत नहीं, जीवन में और भी अनेक लक्ष्य होते हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से लक्ष्य तय कर प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ने तथा परीक्षा के दबाव से मुक्त रहकर सकारात्मक सोच के साथ सफलता प्राप्त करने का आह्वान किया। साथ ही अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें और उनकी तुलना दूसरों से न करें। राज्य के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए 10 प्रेरक वीडियो में से एक वीडियो राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुआ है, जो राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाला कुराली, विकासखंड जखोली, जनपद रुद्रप्रयाग के छात्र रोहन सिंह राणा द्वारा तैयार किया गया है।

चमोली : विकास कार्यों पर खर्च होंगे 96 करोड़

चमोली। चमोली जिला पंचायत का वर्ष 2026–27 का अनुमोदित बजट 96.5121423 करोड़ रुपये पारित हो गया है। शुक्रवार को जिला पंचायत की बैठक में बजट पर चर्चा के बाद उसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया है। इसके अलावा बैठक में वर्ष 2023–24 व 24–25 में हुए निर्माण कार्यों के अटके बिलों के भुगतान का प्रस्ताव भी पारित कर दिया गया है। जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक का संचालन करते हुए अपर मुख्य अधिकारी तेज सिंह ने जिला पंचायत सदस्यों को जिला योजना के प्रस्ताव उपलब्ध कराने के लिए कहा। सदन में वर्ष 2026–27 के अनुमानित बजट 96 करोड़ 51 लाख 21 हजार 423 रुपये की स्वीकृति दी गई। प्रस्ताव पारित किया गया कि जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्यों के मानदेय को बढ़ाया जाए। चारधाम यात्रा मार्ग पर साफ–सफाई व्यवस्था व अन्य कार्य किए जाने के प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गई। वित्तीय वर्ष 2023–24 व 24–25 में कई सदस्यों व ठेकेदारों ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य किए, मगर उन्हें अभी तक इसका भुगतान नहीं हो पाया है। ऐसे कार्यों के पूर्ण होने की पुष्टि पर भुगतान कर दिए जाने का प्रस्ताव भी ध्वनिमत से पारित कर दिया गया है। इस प्रस्ताव के पास होने से जिला पंचायत के ठेकेदारों को बड़ी राहत मिली है। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह, सुरेश कुमार बिष्ट, वित्तीय परामर्शदाता, सुधांशु श्रीवास्तव, कार्य अधिकारी हर्ष गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी केसी जोशी, लेख-ाकार मुकेश चंद्र भट्ट आदि मौजूद रहे।

श्री केदारनाथ धाम यात्रा 2026 की तैयारियां शुरू, एसडीएम ऊखीमठ नोडल अधिकारी नामित

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : आगामी श्री केदारनाथ धाम यात्रा वर्ष 2026 के सफल संचालन तथा यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 07 और 08 फरवरी 2026 तक श्री केदारनाथ धाम (केदारपुरी) में विभिन्न व्यवस्थाओं एवं कार्यों का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा। इस संबंध में जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग प्रतीक जैन द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। व्यवस्थाओं के पर्यवेक्षण एवं निगरानी हेतु उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल सिंह रावत को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

निरीक्षण के दौरान यात्रा मार्ग, केदारपुरी एवं गौरीकुण्ड से केदारनाथ तक की समस्त व्यवस्थाओं का विस्तृत परीक्षण किया जाएगा, ताकि यात्रा प्रारम्भ होने से पूर्व सभी आवश्यक कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कर लिए जाएं। जिलाधिकारी द्वारा उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत एवं तहसीलदार ऊखीमठ को यात्रा मार्ग पर स्थित समस्त दुकानों का निरीक्षण एवं चिन्हीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिशासी अभियंता निर्माण खण्ड गुप्तकाशी को पैदल यात्रा मार्ग की मरम्मत, बेंच, कूड़ादान, डण्डी-कण्डी काउंटर, तप्तकुण्ड आदि कार्यों के लिए आंगणन गठित कर स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करने को कहा गया है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी को यात्रा रूट की सुरक्षा, आपदा पूर्व तैयारी तथा संवेदनशील वृक्षों के कटान की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग, लोनिवि रुद्रप्रयाग को रुद्रप्रयाग से गौरीकुण्ड तक सड़क मार्ग का निरीक्षण करने को कहा गया है। विद्युत वितरण खण्ड रुद्रप्रयाग को विद्युत व्यवस्थाओं का निरीक्षण, जल संस्थान को जल, प्याऊ चरियां एवं स्टैंड पोस्ट की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति को डंडी-कंडी काउंटर (गौरीकुण्ड) एवं यात्रा व्यवस्थाओं के निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को घोड़े-खच्चरों के संचालन एवं उनके मेडिकल परीक्षण, उप प्रभागीय वनाधिकारी को वन भूमि संबंधी निरीक्षण, जिलापूर्ति अधिकारी को रहने एवं खाने की व्यवस्था, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत केदारनाथ को पंचायत स्तरीय साफ-सफाई एवं कूड़ादान व्यवस्था, मुख्य चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य सुविधाएं, मेडिकल कैंप एवं चेकअप पोस्ट की व्यवस्थाएं करने को कहा।

डीएम ने ली परिवार रजिस्टरों की जांच सम्बन्धी समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला सभागार गोपेश्वर में परिवार रजिस्टरों की जांच सम्बन्धी समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार के आदेशों के अनुपालन में 2003 के पश्चात परिवार रजिस्टरों में की गयी प्रविष्टियों की जांच वर्तमान में पूरे प्रदेश में की जा रही है। जिसके तहत जनपद चमोली के 615 ग्राम पंचायतों में भी जांच गठित समिति के द्वारा की जा रही है।

जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि परिवार रजिस्टरों की प्रविष्टियों की जांच के लिए जिला स्तर एवं विकास खण्ड स्तर पर समितियों का गठन किया गया है। जिला स्तरीय जांच कमेटी का अध्यक्ष मुख्य विकास अधिकारी को नियुक्त किया गया है, जबकि विकासखण्ड स्तर की समितियों हेतु सम्बन्धित उपजिलाधिकारियों को नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि समितियों को आदेश दिये है कि 2003 के पश्चात परिवार रजिस्टर में की गयी प्रविष्टियों की जल्द जांच कर रिकॉर्ड जिलाधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

उन्होंने कहा कि परिवार रजिस्टरों की जांच में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई अमल में लायी जायेगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, मुख्य विकास अधिकारी, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, जिला पंचायतीराज अधिकारी, रमेश चंद्र त्रिपाठी एवं ऑनलाइन के माध्यम से सभी उपजिलाधिकारी व खण्ड विकास अधिकारी जुड़े रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक ने किया थाना सल्ट का वार्षिक निरीक्षण

अल्मोड़ा। अपर पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा हरबन्स सिंह ने गुरुवार को थाना सल्ट का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की व्यवस्थाओं, अभिलेखों और कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना, कर्मचारी बैरक और भोजनालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा। इस दौरान थाना परिसर में साफ–सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई गई। थाने के समस्त अभिलेखों का गहन परीक्षण करते हुए प्रविष्टियों की जांच की गई और कार्यालय स्टाफ को रिकॉर्ड अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान थाने के आवासीय भवनों की भी समीक्षा की गई। क्षतिग्रस्त दीवारों और खिड़कियों की समय पर मरम्मत कराने के निर्देश थानाध्यक्ष को दिए गए।

आईटीआई हॉस्टल के ब्लॉकों का मरम्मत कार्य हुआ शुरु

नई टिहरी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) नई टिहरी में छात्रों के बने छात्रावास के दोनों ब्लॉकों का मरम्मत कार्य शुरु हो गया है। छात्रावास की हालत खस्ताहाल होने से गत पांच वर्षों से संस्थान में तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई कर रहे छात्र इस सुविधा से वंचित हैं। जिले के सबसे बड़े आईटीआई में बना छात्रावास खस्ताहाल स्थिति में होने से संस्थान ने हॉस्टल के दोनों ब्लॉकों को बंद कर दिया था। इससे छात्र निजी घरों में भारी–भरकम किराये देकर रहने को मजबूर थे। साथ ही संस्थान में संचालित कई ट्रेडों में सीटें खाली रह जाती हैं। अब दोनों ब्लॉकों की मरम्मत होने के बाद संस्थान में छात्रों की संख्या में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। गत माह शासन से करीब 18 लाख की धनराशि मिलने के बाद संस्थान ने कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग की मद्द से मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है। संस्थान में तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई कर रहे छात्र हेमराज, मिलन सिंह, प्रियांशु ने बताया कि छात्रावास सुविधा न मिलने पर उन्होंने किराये के कमरे में रहने को मजबूर हैं। मरम्मत होने के बाद वह छात्रावास में रहेंगे। संस्थान में वर्तमान में 12 ट्रेड संचालित होते हैं, कई ट्रेडों में सीटें खाली पड़ी हैं।

इनका क्या है,कहना..

18 लाख की लागत से मरम्मत का कार्य शुरू करवा दिया गया है। प्रथम चरण में शौचालय, खिड़की, दरवाजे, छत आदि की मरम्मत की जा रही है। इसके बाद रंगाई–पुताई आदि कार्य करवाएं जाएगा। अगले सत्र से संस्थान में पढ़ाने वाले छात्रों को हॉस्टल की सुविधा मिलने लगेंगी।

पंचायत प्रशिक्षण कार्यक्रम में सशक्तिकरण और अग्नि सुरक्षा पर जोर

अल्मोड़ा। मिनी जू अल्मोड़ा स्थित वन चेतना केंद्र में शुक्रवार को वन पंचायतों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में सिविल सोयम वन प्रभाग अल्मोड़ा के अंतर्गत आने वाली विभिन्न वन पंचायतों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सोयम वन प्रभाग अल्मोड़ा के प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार धौलाखंडी ने की। प्रशिक्षण के दौरान वन पंचायत सुदृढ़ीकरण, कौशल विकास, वन पंचायत नियमावली 2024 और अग्नि सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में सिविल सोयम वन प्रभाग रानीखेत के प्रभागीय वनाधिकारी संतोष पंत, मानसखण्ड विज्ञान केंद्र अल्मोड़ा के प्रभारी डॉ नवीन जोशी, उत्तराखंड स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी से जुड़े जी सी एम नेगी, जी बी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान अल्मोड़ा से डॉ हर्षित पंत और वन पंचायत विशेषज्ञ डॉ डी के जोशी ने अपने–अपने विषयों पर व्याख्यान दिए।

अगस्त्य मुनि महाराज की दिवारा यात्रा पहुंची मयकोटी गांव

रुद्रप्रयाग। अगस्त्य मुनि महाराज की दिवारा यात्रा के दौरान क्षेत्र में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने के लिए मिल रहा है। शुक्रवार को डोली ग्राम बोरा, दुर्गाधार, चोपता से होते हुए मयकोटी गांव पहुंची। डोली का भक्तों ने ढोल–दमाऊं, जयकारों और मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया और मुनि महाराज से सुख–समृद्धि की कामना की। पंडित अनिल बेंजवाल, सुनील बेंजवाल एवं पंडित भूपेंद्र बेंजवाल ने बताया कि मुनि महाराज की डोली भक्तों का कुशलक्षेम पूछकर उनकी समस्याओं का निवारण करती है। डोली यात्रा में धर्मेंद्र रावत, संजय नेगी, अखिलेश गुंसाई, नितिन रावत आदि शामिल रहे।

मेरठ रेलवे स्टेशन पर दिखेगी प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की झलक : अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय रेल मंत्री ने राज्यसभा में मेरठ के ऐतिहासिक महत्व और स्टेशन पुनर्विकास पर दी जानकारी

नई दिल्ली : केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में मेरठ की ऐतिहासिक विरासत और वहां के रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि मेरठ का इतिहास हमारे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) से गहराई से जुड़ा हुआ है और सरकार की यह प्राथमिकता है कि रेलवे स्टेशन का स्वरूप इस गौरवशाली इतिहास को प्रतिबिंबित करे इतिहास और आधुनिकता का संगम सदन को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने बताया कि मेरठ का इतिहास जितना भव्य है, उसी के अनुरूप स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ह्लमेरठ इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है। जिस तरह का मेरठ का गौरवशाली इतिहास है, सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी की पहल की सराहना अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी के प्रयासों की विशेष प्रशंसा की। रेल मंत्री ने बताया कि उन्होंने स्वयं सांसद महोदय से व्यक्तिगत अनुरोध किया था कि वे मेरठ के वरिष्ठ नागरिकों और प्रबुद्ध जनों के साथ चर्चा करें, ताकि स्टेशन के डिजाइन में स्वतंत्रता आंदोलन की वास्तविक झलक को समाहित किया जा सके। मंत्री ने कहा कि मैं सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इस दिशा में बहुत ही सकारात्मक पहल की। उन्होंने स्थानीय वरिष्ठ नागरिकों के साथ बैठकर मंथन किया और एक नया डिजाइन प्रस्तुत किया है।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

इस नई पहल के तहत मेरठ रेलवे स्टेशन न केवल आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, बल्कि यह आने वाले यात्रियों और युवा पीढ़ी के लिए 1857 की क्रांति और मेरठ के स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियों को जीवंत करने वाला एक माध्यम भी बनेगा।

जन—जन की सरकार, जन—जन के द्वार के तहत बहुउद्देशीय शिविर आयोजित

अल्मोड़ा। उत्तराखंड सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार के तहत विकासखंड ताकुला की न्याय पंचायत ग्वालाकोट में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी सुविधाओं का लाभ लिया। शिविर की अध्यक्षता उत्तराखंड सरकार की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने की। उन्होंने आमजन से सीधे संवाद के दौरान उनकी समस्याएं सुनीं।

शिविर में पेयजल और सड़क से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। आयोजन के दौरान कुल 101 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से लगभग 95 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। शिविर के माध्यम से 412 लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिया गया, जबकि 420 आवेदन अलग–अलग योजनाओं के अंतर्गत मौके पर ही भरवाए गए। लाभार्थियों को योजनाओं से जुड़ी सामग्री भी वितरित की गई। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और कार्यक्रम की भावना के अनुरूप संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अल्मोड़ा अंशुल सिंह भी उपस्थित रहे।

वन विभाग कार्यालय पहुंचे कांग्रेसी, सरकार के खिलाफ नारेबाजी

रुद्रप्रयाग। पर्वतीय जिलों के बढ़ रहे वन्य जीवों के हमलों से गुस्साए जिला कांग्रेस कार्यकारिणी के सदस्य वन विभाग कार्यालय पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यालय में जिले में वन विभाग का कोई जिम्मेदार अधिकारी न होने पर कड़ा आक्रोश जताया गया। इसके बाद जिलाधिकारी और प्रभागीय वनाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। शुक्रवार को कांग्रेस जिला कांग्रेस के सदस्य वन विभाग के कार्यालय पहुंचे और राज्य में लगातार हो रहे वन्यजीवों के हमलों पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने आगामी महीने में होने वाले विधानसभा के बजट सत्र में एक दिन मानव वन्य जीव संघर्ष पर चर्चा कराने, उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में गुलदार भालू, बंदरों सुअरों की गणना करने, जानवरों की ओर से मारने या घायल करने पर मुआवजा बढ़ाने, जंगली जानवरों की ओर से नष्ट की गई खेती या जंगली जानवरों के कारण न हो पा रही खेती का मुआवजा वन विभाग की ओर से दिए जाने की मांग की। नारेबाजी करने वालों में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कुलदीप सिंह कंडारी, अगस्त्यमुनि, ईश्वर सिंह बिष्ट पूर्व जिला अध्यक्ष, महावीर पंवार ब्लॉक अध्यक्ष जखोली, अवतार सिंह ब्लॉक ऊखीमठ आदि शामिल थे।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.8889 (UTTHIN/2005/16338)